

ग्रीन डेपॉजिट

[स्रोत: बज़िनेस लाइन](#)

भारत में मूल्य निर्धारण संबंधी मुद्दों, लोगों की अपर्याप्त सहभागिता और नज़ी बैंकों की सीमति रुचि के कारण [ग्रीन डेपॉजिट](#) के स्वीकरण की गतिमंद है।

- **ग्रीन डेपॉजिट:** ये सौर ऊर्जा, स्वच्छ परिवहन और सतत जल प्रबंधन जैसी **हरति परियोजनाओं** के **वित्तपोषण** के लिये निर्धारित ब्याज़-युक्त जमा राशियाँ हैं।
 - जून 2023 में, **भारतीय रज़िर्व बैंक (RBI)** ने **स्थायी नविश को बढ़ावा देने के लिये ग्रीन डेपॉजिट** हेतु एक रूपरेखा तैयार की।
 - हालाँकि, SBI जैसे बैंकों में इसको लेकर सीमति रुचि देखी गई है, क्योंकि उनकी ब्याज़ दरें नियमति जमाओं के मुकाबले प्रतस्पर्धी नहीं हैं।
- **ग्रीन डेपॉजिट संबंधी चुनौतियाँ:** नियमति जमा की तुलना में **ग्रीन डेपॉजिट पर कम ब्याज़ दरें ग्राहकों को हतोत्साहित करती हैं।**
 - बैंकों को यह परभाषति करने में कठिनाई होती है कि कौन सी गतिविधियाँ "हरति" मानी जाएंगी तथा हरति नविश के लिये स्पष्ट रूपरेखा का भी अभाव है।
 - ग्रीन डेपॉजिट के लिये **आरक्षति नकदी नधि अनुपात (CRR)** की आवश्यकता अधिक है, जो अधिक ग्राहकों को आरक्षति करने में बाधा बन सकती है।
- **ग्रीन डेपॉजिट के प्रतभारत की प्रतबिद्धता:** **भारत का लक्ष्य वर्ष 2070 तक कारबन तटस्थता लक्ष्यों की प्रतति** करना है तथा इस प्रविरतन में **हरति वित्त महत्त्वपूर्ण होगा।**

और पढ़ें: [RBI का ग्रीन डेपॉजिट फ्रेमवर्क](#)